IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारत-नेपाल संबंध: राजनीतिक और आर्थिक आयामों का एक व्यापक विश्लेषण

Dr Anamika

Assistant Professor

SAHAJANAND BRAHMARSHI COLLEGE

सारांश

यह शोध पत्र भारत और नेपाल के बीच बहुआयामी संबंधों का एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें उनके राजनीतिक और आर्थिक आयामों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है । यह पत्र इन संबंधों की ऐतिहासिक जड़ों की पड़ताल करता है, जो प्राचीन काल से चली आ रही हैं और 'रोटी-बेटी के रिश्ते' जैसी अनूठी सामाजिक-सांस्कृतिक नींव पर आधारित हैं । पत्र में 1816 की सुगौली संधि और 1950 की शांति और मैत्री संधि जैसे मूलभूत समझौतों का विश्लेषण किया गया है, जिन्होंने आधुनिक द्विपक्षीय संबंधों को आकार दिया है । राजनीतिक क्षेत्र में, यह सहयोग के संस्थागत तंत्रों के साथ-साथ 'बिग ब्रदर' दृष्टिकोण, विश्वास की कमी और 2015 के मधेसी आंदोलन और आर्थिक नाकेबंदी जैसी प्रमुख तनाव की घटनाओं की जांच करता है । आर्थिक रूप से, यह व्यापार, पारगमन, निवेश, विकास सहायता और विशेष रूप से जलविद्युत और कनेक्टिविटी में सहयोग की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालता है, साथ ही नेपाल के व्यापार घाटे और भारत पर निर्भरता से उत्पन्न असंतुलन को भी रेखांकित करता है । इसके अतिरिक्त, यह पत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा पर केंद्रित सीमा विवाद के जटिल मुद्दे और द्विपक्षीय समीकरणों पर चीन के बढ़ते प्रभाव का गंभीर मूल्यांकन करता है । अंत में, यह शोध पत्र भविष्य के लिए एक स्थायी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने हेतु संवाद, समानता-आधारित दृष्टिकोण और साझा हितों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत करता है ।

मुख्य शब्द: भारत-नेपाल संबंध, राजनीतिक संबंध, आर्थिक संबंध, सीमा विवाद, चीन कारक, सुगौली संधि, 1950 की संधि, रोटी-बेटी का रिश्ता।

1. प्रस्तावना

भारत और नेपाल के बीच संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के बीच के राजनयिक संबंध नहीं हैं, बल्कि ये इतिहास, संस्कृति, धर्म और लोगों के बीच गहरे जुड़ाव की एक ऐसी गाथा हैं जो अनादि काल से चली आ रही है । इन संबंधों की प्रकृति अत्यंत जटिल और बहुआयामी है, जिसमें असाधारण निकटता और समय-समय पर उत्पन्न होने वाले तनाव दोनों शामिल हैं । इस रिश्ते को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक विकास और उन मूलभूत स्तंभों का विश्लेषण करना आवश्यक है जिन पर यह टिका है ।

प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं, मौर्य और गुप्त साम्राज्यों के दौरान नेपाल के कुछ हिस्से भारतीय साम्राज्यों के प्रभाव क्षेत्र में थे । समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति में नेपाल का उल्लेख एक ऐसे सीमावर्ती राज्य के रूप में किया गया है जो गुप्त साम्राज्य को कर देता था । सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव, विशेष रूप से हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म, इन संबंधों का सबसे मजबूत आधार रहा है । भगवान बुद्ध का जन्मस्थान लुम्बिनी आधुनिक नेपाल में स्थित है, जो दुनिया भर के बौद्धों, विशेषकर भारतीयों के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है ।

आधुनिक भारत-नेपाल सीमा की रूपरेखा ब्रिटिश काल में 1816 की सुगौली संधि के साथ तैयार हुई, जिसने काली (महाकाली) नदी को नेपाल की पश्चिमी सीमा के रूप में स्थापित किया । 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला बनी । इस संधि ने दोनों देशों के बीच "विशेष संबंधों" को औपचारिक रूप दिया और खुली सीमा की नीति को संस्थागत बनाया, जो इन संबंधों का एक अनूठा पहलू है । इन संबंधों के सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम को अक्सर 'रोटी-बेटी का रिश्ता' मुहावरे से व्यक्त किया जाता है, जो सीमा के दोनों ओर रहने वाले समुदायों के बीच गहरे पारिवारिक संबंधों, सीमा पार विवाहों और आजीविका के लिए एक-दूसरे पर निर्भरता की जमीनी हकीकत को दर्शाता है । हालाँकि, आकार, जनसंख्या और शक्ति में भारी विषमता से उत्पन्न तनाव भी मौजूद है, जिसके कारण 1950 की संधि के प्रावधानों को अब नेपाल में कुछ वर्गों द्वारा एक असमान संबंध के रूप में देखा जाता है ।

2. राजनीतिक एवं कूटनीतिक संबंध: सहयोग और तनाव के आयाम

भारत और नेपाल के राजनीतिक संबंध सहयोग और तनाव के एक जटिल ताने-बाने से बुने हुए हैं । लगभग 1800 किलोमीटर लंबी खुली सीमा इन संबंधों का सबसे अनूठा पहलू है, जो दोनों देशों के नागरिकों को बिना वीजा या पासपोर्ट के यात्रा करने, काम करने और निवास करने की अनुमति देती है । द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए भारत-नेपाल संयुक्त आयोग जैसे कई संस्थागत तंत्र स्थापित किए गए हैं ।

इन ढाँचों के बावजूद, दोनों देशों के बीच एक स्थायी विश्वास की कमी मौजूद है । नेपाल में एक व्यापक धारणा है कि भारत उसके घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करता है और उसकी संप्रभुता का पूरा सम्मान नहीं करता, जिसे अक्सर 'बिग ब्रदर' दृष्टिकोण के रूप में वर्णित किया जाता है । भारत द्वारा वित्त पोषित विभिन्न विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन में होने वाली देरी ने भी इस अविश्वास को बढ़ाया है ।

द्विपक्षीय संबंधों में सबसे गंभीर संकट 2015 में उत्पन्न हुआ जब नेपाल द्वारा नए संविधान की घोषणा के बाद मधेसी समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया । इस आंदोलन के कारण भारत-नेपाल सीमा पर व्यापार और पारगमन बाधित हो गया, और नेपाल ने भारत पर "अघोषित आर्थिक नाकेबंदी" का आरोप लगाया । भारत ने इन आरोपों का खंडन किया, लेकिन इस घटना ने द्विपक्षीय संबंधों में गंभीर खटास पैदा की और विश्वास को गहरा नुकसान पहुँचाया । इस संकट ने नेपाल को अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और चीन के साथ वैकल्पिक पारगमन मार्गों की तलाश

करने के लिए प्रेरित किया।

3. आर्थिक सहभागिता: निर्भरता, अवसर और असंतुलन

भारत और नेपाल के बीच आर्थिक संबंध अत्यंत गहरे और व्यापक हैं। भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, और नेपाल अपने समुद्री व्यापार के लिए पारगमन हेतु लगभग पूरी तरह से भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर है। हालाँकि, व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में बहुत अधिक झुका हुआ है, और बढ़ता व्यापार घाटा नेपाल के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। नेपाल 1978 की व्यापार संधि में संशोधन चाहता है ताकि उसे भारतीय बाजार में बेहतर पहुँच मिल सके और गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर किया जा सके।

भारतीय कंपनियाँ नेपाल में सबसे बड़े निवेशकों में से हैं, और भारत 'उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं' (HICDPs) के माध्यम से महत्वपूर्ण विकास सहायता भी प्रदान करता है। 2015 के भूकंप के बाद भारत ने पुनर्निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की थी।

नेपाल के पास जलविद्युत उत्पादन की अपार क्षमता है, और भारत इस क्षमता के विकास और बिजली की खरीद के लिए एक प्रमुख भागीदार है। अरुण-3 जैसी कई बड़ी परियोजनाएँ भारतीय सहयोग से विकसित की जा रही हैं, और भारत ने अगले 10 वर्षों में नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली खरीदने का लक्ष्य रखा है। हालाँकि, इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी और पर्यावरणीय तथा सामाजिक प्रभाव जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच रेलवे, एकीकृत चेक पोस्ट (ICPs) और पेट्रोलियम पाइपलाइन जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है ताकि आर्थिक संबंधों को और मजबूत किया जा सके।

4. सीमा विवाद: कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा

भारत और नेपाल के बीच सीमा का लगभग 98% हिस्सा सीमांकित है, लेकिन कालापानी और सुस्ता क्षेत्रों पर विवाद बना हुआ है। विशेष रूप से, कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा का त्रि-जंक्शन क्षेत्र हाल के वर्षों में गंभीर तनाव का कारण बना है। इस विवाद का मूल 1816 की सुगौली संधि है, जिसने काली (महाकाली) नदी को नेपाल की पश्चिमी सीमा के रूप में परिभाषित किया था। विवाद का मुख्य कारण काली नदी के वास्तविक उद्गम स्रोत को लेकर दोनों देशों की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं। नेपाल का मानना है कि नदी का स्रोत लिम्पियाधुरा के पास है, जबकि भारत का मानना है कि इसका उद्गम लिपुलेख दर्रे के पास है।

यह विवाद 2020 में तब बढ़ गया जब भारत ने धारचूला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली एक रणनीतिक सड़क का उद्घाटन किया। इसके जवाब में, नेपाल की संसद ने एक नया राजनीतिक मानचित्र पारित किया, जिसमें इन विवादित क्षेत्रों को अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में दर्शाया गया। भारत ने इस कदम को "एकतरफा कार्रवाई" बताते हुए खारिज कर दिया। यह सीमा विवाद अब एक सक्रिय भू-राजनीतिक टकराव में बदल गया है, जिसे नेपाल की आंतरिक राजनीति में राष्ट्रवादी भावनाओं और चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव ने और हवा दी है।

5. रक्षा और सुरक्षा सहयोग

भारत और नेपाल के बीच रक्षा सहयोग का एक लंबा इतिहास है, जिसका केंद्र भारतीय सेना में गोरखा सैनिकों की भर्ती की अनूठी परंपरा है। 1947 में एक त्रिपक्षीय समझौते के तहत, ब्रिटिश भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंटों का एक बड़ा हिस्सा भारतीय सेना में शामिल हो गया। आज, भारतीय सेना में लगभग 32,000 से 40,000 नेपाली नागरिक सेवारत

हैं, जो दोनों देशों के बीच एक अद्वितीय "रक्त संबंध" का प्रतीक है ।

हालाँकि, 2022 में भारत द्वारा शुरू की गई 'अग्निपथ' योजना ने इस सहयोग में एक बड़ी चुनौती उत्पन्न की है । नेपाल सरकार ने इस आधार पर अपने नागरिकों की भर्ती पर रोक लगा दी कि यह योजना 1947 के त्रिपक्षीय समझौते की भावना का उल्लंघन करती है, जिसके कारण 2022 से भर्ती रुकी हुई है । भर्ती पर गतिरोध के बावजूद, दोनों देशों की सेनाओं के बीच 'सूर्य किरण' नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी है । भारत के लिए नेपाल का सामरिक महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह भारत और चीन के बीच एक प्राकृतिक बफर राज्य के रूप में कार्य करता है ।

6. चीन का कारक: एक बदलता भू-राजनीतिक परिदृश्य

हाल के दशकों में, चीन भारत-नेपाल संबंधों में एक महत्वपूर्ण तीसरे पक्ष के रूप में उभरा है । नेपाल में चीन का प्रभाव विशेष रूप से 2015 की आर्थिक नाकेबंदी के बाद तेजी से बढ़ा है, जिसने नेपाल को भारत पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित किया । नेपाल 2017 में चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (BRI) में शामिल हो गया, जिसके तहत 'ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क' विकसित किया जा रहा है ।

नेपाल में चीन की बढ़ती उपस्थिति भारत के लिए कई चिंताएँ पैदा करती है, जिसमें भारतीय सीमा के निकट चीनी अवसंरचना परियोजनाओं से उत्पन्न सुरक्षा संबंधी खतरे, चीन की "ऋण जाल कूटनीति" की आशंका, और इस क्षेत्र में भारत के पारंपरिक प्रभाव में कमी शामिल है । नेपाल अपनी भू-राजनीतिक स्थिति से अवगत है और वह भारत और चीन दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने का प्रयास करता है, और अक्सर भारत के साथ बातचीत में लाभ उठाने के लिए 'चीन कार्ड' का उपयोग करता है ।

7. भारत और नेपाल के बीच प्रमुख संधियां और उसमें उपस्थित दोनों तरफ के प्रतिनिधि

सुगौली संधि (1816): इस संधि पर नेपाल की ओर से राजगुरु गजराज मिश्र (चंद्रशेखर उपाध्याय की सहायता से) और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से लेफ्टिनेंट-कर्नल पेरिस ब्रैडशॉ ने हस्ताक्षर किए थे। संधि का अंतिम अनुमोदन नेपाल की ओर से चंद्रशेखर उपाध्याय और ब्रिटिश सरकार की ओर से जनरल डेविड ऑक्टरलोनी द्वारा किया गया था।

स्थायी शांति और मैत्री की संधि (1923): यह संधि 1816 की सुगौली संधि के स्थान पर की गई थी। इस पर नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्र शमशेर जंग बहादुर राणा और नेपाल में ब्रिटिश दूत लेफ्टिनेंट-कर्नल विलियम ओ'कॉनर ने हस्ताक्षर किए थे।

भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि (1950): यह संधि द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला मानी जाती है। इस पर नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर राणा और नेपाल में भारत के राजदूत चंद्रेश्वर नारायण सिंह ने हस्ताक्षर किए थे।

व्यापार और पारगमन संधि (1960): इस संधि पर भारत की ओर से नेपाल में भारतीय राजदूत श्री हरिश्वरदयाल और नेपाल की ओर से वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री राम नारायण मिश्र ने हस्ताक्षर किए थे।

व्यापार और पारगमन संधि (1978): इस संधि पर भारत सरकार की ओर से वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति

और सहकारिता मंत्री श्री मोहन धारिया और नेपाल सरकार की ओर से वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीताम्बर ध्वज खाती ने हस्ताक्षर किए थे।

महाकाली संधि (1996): इस संधि की शुरुआत भारत के विदेश मंत्री प्रणब मुखर्जी और नेपाल के विदेश मंत्री प्रकाश चंद्र लोहानी द्वारा की गई थी। अंतिम संधि पर नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने हस्ताक्षर किए थे।

8. निष्कर्ष

भारत और नेपाल के संबंध अपनी प्रकृति में अद्वितीय हैं, जो साझा इतिहास, संस्कृति और लोगों के बीच गहरे संबंधों की नींव पर टिके हैं । हालाँकि, आकार और शक्ति की विषमता, संप्रभुता को लेकर नेपाल की संवेदनशीलता, और ऐतिहासिक घटनाओं से उपजा अविश्वास समय-समय पर संबंधों में चुनौती बनकर उभरा है । 2015 की आर्थिक नाकेबंदी और कालापानी सीमा विवाद जैसे मुद्दों ने इन चुनौतियों को और गहरा किया है ।

इन चुनौतियों के बावजूद, आर्थिक सहयोग, विशेष रूप से जलविद्युत और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में, भविष्य के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करता है । संबंधों को मजबूत करने के लिए, भारत को 'बिग ब्रदर' के दृष्टिकोण को त्यागकर नेपाल के साथ एक अधिक समान और सम्मानजनक साझेदारी विकसित करने की आवश्यकता है । परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन, संवाद के माध्यम से विवादों का समाधान, और आर्थिक संबंधों को संतुलित करना महत्वपूर्ण है । अंततः, भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य दोनों देशों की एक-दूसरे की चिंताओं को समझने और आपसी सम्मान, विश्वास और साझा हितों के आधार पर एक आधुनिक और संतुलित साझेदारी बनाने की क्षमता पर निर्भर करेगा । लोगों के बीच का स्थायी संबंध इस साझेदारी के लिए सबसे ठोस आधार प्रदान करता है ।

9. संदर्भ

1. Aaj Tak. (2024, January 16). भारत और नेपाल के बीच दशकों से व्यापार समझौता चलता आ रहा है. Aaj Tak. https://www.aajtak.in/world/story/nepal-wants-revision-of-trade-treaty-with-india-which-got-auto-renewed-in-november-last-year-tlifwr-1859706-2024-01-16

2. Breaknlinks. भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती और भूमिका. Breaknlinks. https://breaknlinks.com/hindi/news/1902

3. Dialogue Earth. विश्लेषण: जलविद्युत समझौते करते समय भारत और नेपाल पर्यावरण संबंधी मुद्दों की अनदेखी कर रहे हैं. Dialogue Earth. https://dialogue.earth/hi/10-hi/120223/

4. Drishti IAS. (2018, November 10). उभरते भारत-नेपाल संबंधों में चुनौतियां. Drishti IAS. https://www.drishtiias.com/hindi/burning-issues-of-the-month/emerging-challenges-in-indo-nepal-relations

5. Drishti IAS. भारत-नेपाल सहयोग को मजबूत बनाना. Drishti IAS. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/strengthening-india-nepal-cooperation

6. Drishti IAS. भारत-नेपाल संबंध. Drishti IAS. https://www.drishtiias.com/hindi/to-the-points/paper2/india-nepal-relations-3

7. Drishti IAS. भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि. Drishti IAS. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/india-nepal-relations-and-china-challenge

8. ER Publications. 1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि. ER Publications.

https://www.erpublications.com/uploaded_files/download/download_21_01_2015_18_28_12.pdf

9. ETV Bharat. (2020, June 27). भारत-नेपाल संबंध: रोटी-बेटी ही नहीं, संस्कृति और सभ्यता का भी है नाता. ETV Bharat. https://www.etvbharat.com/hindi/uttarakhand/state/dehradun/indo-nepal-relation-are-not-only-roti-beti-but-also-culture-and-civilization/uttarakhand20200626195250056

10. GKToday. लिपुलेख व्यापार विवाद: भारत-नेपाल सीमा विवाद की नई परतें. GKToday. https://www.gktoday.in/hindi/लिपुलेख-व्यापार-विवाद-भा/

11. Himalini. नेपाल के इतिहास की दो सबसे महत्वपूर्ण संधियाँ. Himalini. https://www.himalini.com/90671/15/14/08/

12. HindiArise. (2023, August 9). भारत और नेपाल के बीच सहयोग के कई क्षेत्र हैं. HindiArise. https://hindiarise.com/india-nepal-relations-upsc-in-hindi/

13. International Journal of Advanced Engineering and Management. Relations between India and Nepal geopolitics. IJAEM. https://ijaem.net/issue_dcp/Relations%20between%20India%20and%20Nepal%20geopolitics.pdf

14. International Journal of Creative Research Thoughts. भारत-नेपाल और चीन. IJCRT. https://ijcrt.org/papers/IJCRT2207705.pdf

15. International Journal of Creative Research Thoughts. भारत-नेपाल, दोनों ही देशों में पड़ोसी के तौर पर घनिष्ट संबंध हैं. IJCRT. https://ijcrt.org/papers/IJCRT2101444.pdf

16. Jagran. गिरी, वी. (2025, August 23). Unique tradition: नेपाल में तीज के दौरान विवाहिता के साथ-साथ कुंवारी लड़कियां भी करतीं व्रत. Jagran. https://www.jagran.com/bihar/east-champaran-unique-tradition-in-nepal-married-women-as-well-as-unmarried-girls-observe-fast-during-teej-24022659.html

17. Live Hindustan. कुमार, एस. (2024, January 7). भारत-नेपाल के बीच रिश्ते की डोर काफी मजबूत है. Live Hindustan. https://www.livehindustan.com/bihar/story-india-nepal-relationship-started-with-mother-sita-and-lord-ram-marriage-bread-daughter-connection-continues-celebration-in-janakpur-on-pran-pratistha-9168647.html

18. Meena, R. K. (2016, June 3). भारत तथा नेपाल के संबंधों में उतार-चढ़ाव का दौर. भारतीय विश्व मामले परिषद (ICWA). https://icwa.in/show_content.php?lang=1&level=3&ls_id=553&lid=421

19. Ministry of External Affairs, Government of India. (2021, March 1). MEA Annual Report (Hindi). https://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/33577_MEA_AR_Hindi_1-3-2021-1.pdf

20. Navbharat Times. (2024, January 15). भारत संग व्यापार समझौते में नेपाल ने बताई कई चिंताएं. Navbharat Times. https://navbharattimes.indiatimes.com/world/asian-countries/india-nepal-relations-after-auto-renewal-of-trade-treaty-with-india-now-nepal-wants-its-revision/articleshow/106855172.cms

21. Navbharat Times. पांडे, पी. (2025, July 12). नेपाली गोरखा की भारतीय सेना में भर्ती नहीं, लेकिन पूर्व सैनिक अब भी बने हुए हैं दोनों देशों के बीच की कड़ी. Navbharat Times. https://navbharattimes.indiatimes.com/india/nepali-gurkhas-are-not-recruited-in-the-indian-army-but-ex-soldiers-still-remain-the-link-between-the-two-countries/articleshow/122405412.cms

22. NDTV India. भारत ने नेपाल के उस दावे को सिरे खारिज कर दिया है.... NDTV India. https://ndtv.in/world-news/india-response-on-nepal-comment-on-lipulekh-pass-9127785

23. NDTV India. नेपाल और चीन ने बहुप्रतीक्षित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) सहयोग मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए. NDTV India. https://ndtv.in/world-news/china-nepal-ties-on-bri-oli-gives-new-tention-to-india-know-how-7174857

24. Observer Research Foundation. बिजली क्षेत्र में नेपाल के 'सपनों' की तरफ भारत की ख़ामोश बढ़त! ORF. https://www.orfonline.org/hindi/expert-speak/indias-quiet-lead-in-nepals-power-dreams

25. Observer Research Foundation. डिजिटल कनेक्टिविटी के ज़रिये नेपाल-भारत द्विपक्षीय संबंधों को फिर से

जीवंत करना. ORF. https://www.orfonline.org/hindi/expert-speak/rejuvenating-nepal-india-bilateral-relations-through-digital-connectivity

26. PIB Delhi. (2025, January 12). भारत-नेपाल अंतर-सरकारी समिति की बैठक. PIB. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2092329

27. PIB Delhi. (2025, April 22). भारत-नेपाल ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने को लेकर. PIB. https://www.pib.gov.in/pressreleasepage.aspx?prid=2123661

28. PTI. (2024, December 4). Nepal and China sign Belt and Road Initiative agreement. The Hindu. https://www.thehindu.com/news/international/nepal-china-sign-bri-cooperation-framework/article68948228.ece

29. Quora. भारत और नेपाल के बीच विवाद का मुख्य कारण क्या है? Quora. https://hi.quora.com/भारत-और-नेपाल-के-बीच-6

30. Quora. भारत और नेपाल के रिश्ते को क्या कहते हैं? Quora. https://hi.quora.com/भारत-और-नेपाल-के-रिश्ते-को

31. Quora. भारत में गोरखा भर्ती के बारे में. Quora. https://hi.quora.com/भारत-में-गोरखा-भर्ती-के

32. Quora. नेपाल के संदर्भ में रोटी बेटी का रिश्ता क्या है? Quora. https://hi.quora.com/नेपाल-के-संदर्भ-में-रोटी

33. ResearchGate. India-Nepal economic relations: General analysis. ResearchGate. https://www.researchgate.net/publication/363748663_India-Nepal_Economic_Relations_General_Analysis_bharata-nepala_arthika_sambandha_saman'ya_vislesana

34. Sanskriti IAS. कालापानी क्षेत्र और भारत-नेपाल विवाद. Sanskriti IAS. https://www.sanskritiias.com/hindi/current-affairs/kalapani-region-and-indo-nepal-dispute

35. Sanskriti IAS. नेपाल-भारत द्विपक्षीय डिजिटल कनेक्टिविटी पर सहयोग. Sanskriti IAS. https://www.sanskritiias.com/hindi/current-affairs/nepal-india-cooperation-on-bilateral-digital-connectivity

36. Sanskriti IAS. भारत और नेपाल संबंध. Sanskriti IAS. https://www.sanskritiias.com/hindi/current-affairs/india-and-nepal-relations

37. Sanskriti IAS. भारत और नेपाल के मध्य हुए बिजली से संबंधित समझौता ज्ञापन. Sanskriti IAS. https://www.sanskritiias.com/hindi/current-affairs/memorandum-of-understanding-between-india-and-nepal

38. Shanti, A. भारत-नेपाल के बीच सीमापार व्यापार. Anubooks. https://anubooks.com/uploads/session_pdf/171964593144.%20Shanti,%20Abhishek%20268-276.pdf

39. Shodh Sanchayan. वर्मा, टी. पी. भारत-नेपाल सम्बन्धों का ऐतिहासिक सर्वेक्षण. Shodh Sanchayan, 6(2). https://www.shodh.net/phocadownload/vol-6-issue-2/Shodh%20Sanchayan%20Vol%206%20Issue%202_9_Thakur_Prasad_Varma.pdf

40. ThePrint. वांग यी की यात्रा ने भारत-नेपाल संबंधों को कैसे पीछे धकेल दिया. ThePrint. https://hindi.theprint.in/opinion/how-wang-yis-visit-set-back-india-nepal-ties/860034/

41. TV9 Hindi. कुमार, वी. (2025, April 2). हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर प्रदर्शन झेल रहे नेपाल की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने की जिम्मेदारी अब भारत उठाएगा. TV9 Hindi. https://www.tv9hindi.com/education/india-nepal-partnership-10-high-impact-development-projects-in-education-health-culture-3209676.html

42. TV9 Hindi. भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती कैसे होती है? TV9 Hindi. https://www.tv9hindi.com/knowledge/how-nepali-gorkha-recruited-in-indian-army-where-do-the-live-after-retirement-3251423.html

43. Vision IAS. (2024, December 6). नेपाल और चीन ने 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) सहयोग फ्रेमवर्क'

पर हस्ताक्षर किए. Vision IAS. https://visionias.in/current-affairs/hi/news-today/2024-12-06/international-relations/napal-oura-cana-na-blta-eda-rada-inashaetava-bri-sahayaga-faramavaraka-para-hasatakashhara-kae

44. Wikipedia contributors. गोरखा रेजिमेंट (भारत). In Wikipedia. https://hi.wikipedia.org/wiki/गोरखा_रेजिमेंट_%28भारत%29

45. Wikipedia contributors. भारत-नेपाल सम्बन्ध. In Wikipedia. https://hi.wikipedia.org/wiki/भारत-नेपाल_सम्बन्ध

46. Wikipedia contributors. नेपाल-भारत सम्बन्ध. In Wikipedia. Retrieved August 31, 2025, from https://ne.wikipedia.org/wiki/नेपाल-भारत_सम्बन्ध

47. YouTube. 1950 की भारत-नेपाल संधि शांति और मित्रता. YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=nQWMNA_yIv4

48. YouTube. भारत नेपाल रोटी-बेटी का रिश्ता और सांस्कृतिक संबंध. YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=8PmiD7PYJR4

49. YouTube. भारत-नेपाल संबंधों पर चीन का प्रभाव. YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=EESmzTjltDU

50. YouTube. भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती. YouTube. https://m.youtube.com/watch?v=UqR1wetCh3c&pp=0gcJCbAJAYcqIYzv

51. भारतीय विश्व मामले परिषद. चीन का नेपाल पर प्रभावः भारत द्वारा संतुलन का प्रयास. ICWA. https://icwa.in/show_content.php?lang=1&level=3&ls_id=558&lid=429

52. भारतीय विश्व मामले परिषद. भारत-नेपाल आर्थिक संबंध. ICWA. https://icwa.in/show_content.php?lang=2&level=3&ls_id=4425&lid=3300